CORRIGENDA.

Cap. XIII. dist. 32, c.	pro परिरिप्समानः	leg. परिरब्धुकामः
— — 35, d.	— सुप्तं	— सुप्तः
— — 53, d.		— सपद्मरागः
XIV. — 25, d.	— सुखीबभूवुः	— सुखान्यभूव न्
XV. — 13, c.	— सम्पन्ना	— सम्पन्नौ
— — 61, c. d.		— अनन्यजानेस्तस्यासीत्सैव
XVI. — 11, a.		— विशीर्णतल्पाट्टशतो निवेशः
— — 24, c.		— धान्या
— — 33, d.	— लघन	— लंघन
— — 34, d.	— स्वस्त्रो	— स्वैस्त्रो
— — 53, d.	— न	— स
— — 61, d.	— शैवाव	— शैवाल
— — 65, d.	— कलापः	— कलापाः
— — 87, b.	— र्ण	— र्णा
XVII. — 55, d.	— पाद्येत्	— पाद्यत्
— — 78, a. b.		— लोकपालानामूचुः साधर्म्ययोगतः
XVIII. — 6, b.		— धर्मोत्तरः स प्रभवे
— — 12, d.	— गृहीतुं	— ग्रहीतुं
— — 50, b.	— चूडाञ्चित	— चूडो ञ्चित
— — 51, c.		— विधि सर्वा°
XIX. — 28, d.	— निभी	— निमी
— — 30, d.		— व्यत्तलक्ष्म परिभोगमण्डनं
— — 38, d.	— तं	— ता
— — 45, d.	— मेखलाः	— मेखलैः
— — 53, c.		— परिभाविनं